

मैनेजमेंट कदम बढ़ाने से पहले तय कर लें स्पेशलाइजेशन

मैनेजमेंट का क्षेत्र आज काफी विस्तृत हो चुका है, इसलिए इस क्षेत्र में कदम रखने से पहले यह चुनना बेहद जरूरी है कि आप मैनेजमेंट के किस क्षेत्र में आगे बढ़ना चाहते हैं या अपना करियर बनाना चाहते हैं। यहां इसी बारे में विस्तार से बता रही हैं नूतन कुमारी

ज हर छात्र यही चाहता है कि वह कॉरपोरेट संसार में एक अहम दर्जा हासिल करे, लेकिन प्रबंधन के क्षेत्र में सफल होने के लिए आवश्यक हैं तीन गुण- एटीट्यूड, एटीट्यूड और अप्रोच। जिन छात्रों में ये लक्षण हैं, वे प्रबंधन के क्षेत्र में अधिक सफल हो सकते हैं। अगर आप मैनेजमेंट से संबंधित कोर्स करना चाहते हैं तो आपको कैट, मैट, ओपनमैट, एक्सएटी, जेएमएटी, एफएमएस, आईबीएसएटी, एनएमटी, एसएनएपी आदि एंट्रेंस टैस्ट में से किसी एक में सफल होना होगा। कैट के माध्यम से आप देश के प्रतिष्ठित इंडियन इंस्टीट्यूट्स ऑफ मैनेजमेंट यानी आईआईएम अहमदाबाद, मुंबई, बेंगलुरु, इंदौर, लखनऊ, कोल्लिकोड और इसके समकक्ष बी-स्कूलों में प्रवेश ले सकते हैं। हालांकि यह इतना आसान भी नहीं है। इसके लिए आपको कड़ी मेहनत करनी होगी। सभी प्रवेश परीक्षाओं में कमोबेश एक तरह के प्रश्न पूछे जाते हैं।

योग्यता

इस कोर्स को करने के लिए किसी भी विषय में स्नातक डिग्री में 50 प्रतिशत अंकों (अनुसूचित जाति-जनजाति के मामले में

45 प्रतिशत अंक) के साथ पास होना जरूरी है। जरूरी नहीं कि स्नातक परीक्षा पास करने के बाद तुरंत ही एमबीए में प्रवेश ले लिया जाए। यह डिग्री बाद में भी हासिल की जा सकती है।

प्रवेश परीक्षा

आईआईसी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन, ग्रेटर नोएडा के सीईओ डॉ नवीन गुप्ता के मुताबिक पहले यह तय करना जरूरी है कि आईआईएम के लिए परीक्षा देनी है या फिर दूसरे बिजनेस स्कूलों के लिए। कैट की परीक्षा साल में एक बार भारतीय प्रबंधन संस्थान द्वारा आयोजित की जाती है। मैनेजमेंट एटीट्यूड टैस्ट-मैट के द्वारा भी विभिन्न प्रबंधन संस्थानों में दाखिला मिलता है। इसका आयोजन ऑल इंडिया मैनेजमेंट एसोसिएशन द्वारा किया जाता है।

प्रवेश प्रक्रिया

पहले चरण में लैंग्वेज स्किल पर ध्यान दिया जाता है- इसमें वर्बल एबिलिटी, अंग्रेजी ग्रामर, यूजेज, रीडिंग कॉम्प्रिहेंशन आदि पूछे जाते हैं। इसके साथ ही चॉटिटेटिव स्किल भी महत्वपूर्ण है। इसमें आपकी गणितीय योग्यता और दक्षता की जांच की जाती है और इंटरप्रफेक्शन एवं रीजनिंग

स्किल डाटा एफिशिएंसी, लॉजिकल रीजनिंग आदि से सवाल होते हैं।

दूसरे चरण में ग्रुप डिस्कशन और इंटरव्यू होता है। इस चरण में ग्रुप डिस्कशन

संस्थान चुनने की।

स्पेशलाइजेशन के प्रमुख क्षेत्र

चेन मैनेजमेंट

किसी भी उद्योग का सप्लाय मैनेजमेंट



एजेसी (वेब वार्ता न्यूज)

उसका आधार होता है। उत्पादन का लेखा-जोखा देखना, सप्लाय और रिटेलर्स से समन्वय करना प्रबंधक का कार्य होता है। अगर आप में इस क्षेत्र की चुनौती स्वीकारने की क्षमता है तो चेन मैनेजमेंट आपके लिए एक अच्छा क्षेत्र हो सकता है।

बैंकिंग

यदि आपकी

दिलचस्पी

अर्थव्यवस्था और

वित्तीय मामलों में अधिक है तो बैंकिंग प्रबंधन आपके लिए बेहतर ऑप्शन हो सकता है। इसमें न केवल दूसरे को उसकी बचत और फायदे के बारे में बताने की छूट होती है, बल्कि आपकी बनाई गई एक पॉलिसी से अर्थव्यवस्था तक में परिवर्तन आ सकता है।

फाइनेंस

यह उन लोगों के लिए है, जो वैकल्पिक

संसाधनों के बारे में योजनाएं बनाते हैं। इस क्षेत्र में अच्छे प्रबंधकों की मांग दुनियाभर में तेजी से बढ़ रही है।

रूरल मैनेजमेंट

इन दिनों सरकार के साथ-साथ निजी क्षेत्र की कंपनियां भी ग्रामीण इलाकों की तरफ रुख करने लगी हैं। यही वजह है कि ग्रामीण इलाकों की तस्वीर भी धीरे-धीरे बदलने लगी है। ग्रामीण प्रबंधन पर नजर डालें तो पाएंगे कि आधारभूत ढांचा और मनोरंजन सहित कई क्षेत्र इसमें शामिल हैं।

एनवायरमेंट मैनेजमेंट

पर्यावरण के प्रति दुनियाभर के देश आज गंभीर नजर आ रहे हैं। पर्यावरण के प्रति बढ़ती जागरूकता को देखते हुए समाज का एक निकाय इसकी देखरेख और प्रबंधन में चौबीस घंटे लगा हुआ है। विश्वभर में इस क्षेत्र में प्रबंधकों की मांग बढ़ने लगी है।

रिटेल मैनेजमेंट

शहर हो या कस्बे, सभी जगह मॉल और सुपर बाजार फैलते जा रहे हैं। सामान को व्यवस्थित तरीके से रखना और ग्राहकों की पसंद और नापसंद को जानने वाले लोगों के लिए रिटेल मैनेजमेंट का क्षेत्र अपेक्षाकृत व्यापक और चुनौतीभरा भी है।

विज्ञापन

सूचना पहुंचाने का बेहतर तरीका है विज्ञापन। विज्ञापन प्रबंधन का क्षेत्र उन लोगों के लिए करियर का बेहतर विकल्प बन सकता है, जो बड़ी से बड़ी बात को किसी उदाहरण या चित्र द्वारा पेश करने में माहिर हों।

बाल लहराएं आपके इशारों पर

अभिनेत्रियों या मॉडल्स के बाल देखकर आपको इश्क जरूर होता होगा। दूसरे के बाल इतने मुलायम, घने और लम्बे कैसे। लेकिन यह न भूलें कि आपकी पसंदीदा ये अभिनेत्रियां बालों की देखभाल



पर विशेष ध्यान देती हैं। आखिर बाल क्राउनग्लोरी जो हैं। अगर आप भी उन्हीं के जैसे बालों की कामना करती हैं, तो देखभाल भी उनकी तरह ही विशेष रूप से करनी होगी।

बालों की सुनें: आज यह बात लगभग सभी को पता है कि बालों की किस्म के

मुताबिक शैम्पू और कंडिशनर यूज करना चाहिए। लेकिन इसके बावजूद अपने बालों की जरूरत पर ध्यान देना भी जरूरी है। खुद से पूछें कि आपके बाल बेजान हैं या हल्के घुंघराले! क्या उन्हें आपने स्टाइल देने के लिए कभी केमिकल ट्रीटमेंट किया है! आपके सिर की त्वचा तैलीय है या बेहद रूखी! यहां तक कि आपके बालों का टेक्सचर केमिकल ट्रीटमेंट, मौसम बदलने और उम्र के हिसाब से भी बदल सकता है। अच्छे परिणाम के लिए हर तीन महीने में अपने स्टाइलिस्ट के पास जाकर बालों की बेसिक देखभाल के बारे में जरूर पूछें, क्योंकि आपकी पसंदीदा सलेब्रिटी भी ऐसा करती हैं। शैम्पू और कंडिशनर खरीदते समय यह ध्यान रखें कि वह सल्फेट रहित

हो, ताकि आपके बालों का प्राकृतिक तेल बरकरार रहे।

टिप: बाल धोने के बाद बालों का एक सेक्शन अपनी उंगलियों के बीच में लेकर हल्का मलें। अगर उसमें से झाग ना निकले तो समझ लें कि वह एक दम साफ हो गए हैं। जरूरत से अधिक बालों को

धोने से भी वे रूखे हो जाते हैं। हालांकि बरसात के मौसम में कोई दो दिन तक बिना शैम्पू के नहीं रह सकता। बाल ना धोने से बैक्टीरियल इन्फेक्शन भी हो सकता है। इसलिए बालों को रूखेपन से बचाने के लिए बाल धोने के बाद कंडिशनर लगाना ना भूलें।

पोषण की जरूरत: जब आपके बाल अच्छी तरह हाइड्रेट हो जाएंगे तो वे रूखे नहीं रहेंगे, न ही दोमुहें होंगे। इसलिए हफ्ते में एक बार डीप कंडिशनिंग मास्क लगाएं। कंडिशनर भी 2 मिनट बाद पानी से साफ कर लें।

टिप: कंडिशनर निकालने के लिए हमेशा ठंडे पानी का प्रयोग करें। यह हेयर क्यूटिकल्स को बंद करने में मदद करेगा, जो शैम्पू करते समय खुल जाते हैं। ठंडा पानी पोषक तत्वों को सिर की त्वचा के भीतर सोल कर देगा। हफ्ते में एक बार डीप कंडिशनिंग हेयर ट्रीटमेंट या हेयर स्पा लें।

प्रोटीन है जरूरी: बालों का गिरना शरीर में प्रोटीन की कमी के कारण होता है। बालों के कोश प्रोटीन से बने होते हैं। इसलिए आपके आहार से किसी भी रूप में प्रोटीन मिलना जरूरी है। प्रतिदिन एक अंडा जरूर खाएं। अगर शाकाहारी हैं तो सोया मिल्क का यूज करें। विटमिन ई या कॉडलीवर ऑयल सप्लीमेंट से बालों का विकास अच्छा होता है। इसलिए डॉक्टर की सलाह पर आप इसे पंद्रह दिन तक ले सकती हैं।

द्वारा उम्मीदवार की एनालिटिकल स्किल और उसकी नेतृत्व क्षमता को परखा जाता है, जबकि इंटरव्यू के दौरान जनरल नॉलेज एवं आत्मविश्वास को आंका जाता है।

तीसरे चरण में स्पेशलाइजेशन व संस्थान के चयन पर ध्यान दिया जाता है। जब उम्मीदवार दोनों चरणों को सफलतापूर्वक पार कर लेता है तो ही अंतिम परीक्षा आती है स्पेशलाइजेशन और

कब्ज से दे राहत बेल

कब्ज से दे राहत बेल

बेल की जड़ को चावलों के मांड में उबाल कर पिलाने से उल्टी-दस्त में लाभ होता है। गर्मी की स्थिति में होने वाले उल्टी-दस्तों, जो मिचलाने में बेल के गूदे को पानी में मथ कर चीनी मिला कर पीने से लाभ होता है। मन में प्रसन्नता आती है और शीतलता का आभास होता है।

कभी दस्त लगे, कभी कब्ज हो जाए तो यह स्थिति बड़ी कष्टदायक होती है। ऐसे में पके बेल को शर्बत या पानी में मथ कर कुछ दिन लगातार लेने से लाभ होता है।

- इसके पत्तों का रस एक-एक चम्मच दिन में दो बार देने से बुखार, खांसी में लाभ होता है, पेट साफ होता है, कब्ज से राहत मिलती है। किसी प्रकार के घाव पर इसके पत्तों को पीस कर बांधने से घाव जल्दी भरता है। भूख कम हो, कब्ज हो, जी मिचलाता हो तो इसका गूदा पानी में मथ कर रख लें और उसमें चुटकी भर लौंग, काली मिर्च का चूर्ण, मिश्री मिला कर कुछ दिन लेने से भूख बढ़ेगी, कब्ज की शिकायत खत्म हो जाएगी। खूनी बवासीर में इसका चूर्ण मिश्री मिला कर एक सप्ताह तक पानी में लेने से लाभ होता है।

- बलवृद्धि के लिए इसका चूर्ण और मिश्री दूध में मिला कर लेने से लाभ होता है। इसे कुछ दिन लगातार लेने से खून की कमी, शारीरिक दुर्बलता एवं धातुदोष दूर होते हैं।

- इसकी छाल का काढ़ा बना कर शहद मिला कर पीने से किसी भी तरह की उल्टी से राहत मिलती है।

रिश्तों में बदलाव लाती हैं यह छोटी-छोटी बातें

कपल्स रिश्ते को और बेहतर बनाने कोई बड़ी बात नहीं, बस कपल्स को अपनी लव रिश्ते को छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखना होगा और इसकी शुरुआत आपको रिश्ते में बंधने के पहले दिन से ही करनी होगी। शादी होते ही एक-दूसरे को बदलने की मुहिम ना छेड़ दें। ये विचार दिमाग से निकाल दें कि अब साथी को आपके अनुसार चलना होगा। इससे मन-मुटाव बढ सकता है। एक-दूसरे को कमियों-खुबियों के साथ स्वीकार करें। छोटी-छोटी खुशियां बांटना भी सीखें। चाहे रिमझिम फुहारों में भीगना हो या ढलते सूरज को देखना-इसमें भी एक खास खुशी छिपी होती है। इसे एंजॉय करें। किसी बड़ी खुशी के इंतजार में ना बैठें रहें। जिंदगी की हर छोटी-बड़ी खुशियां का लुत्फ उठाएं। अगर आपका साथी में आप कुछ बदलाव चाहती भी हैं, जो उनके हित में हो, तो इसकी शुरुआत आलोचना से ना करें। इसे बड़ी ही सावधानी से हैंडल करें। उन्हें प्यार से समझाएं। साथ ही एक ही रात में बदलाव की उम्मीद भी ना करें। लड़ाई जीतने की बजाय दिल जीतने की कोशिश करें। इसके लिए अगर आपको लड़ाई में हारना भी पड़े, तो कोई हर्ज नहीं।